बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-48
22/01/2026

समृद्धि यात्रा के दौरान सीवान जिला में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

- डेयरी व्यवसाय से पैदा होंगे रोजगार के नए अवसर, बढ़ेगी लोगों की आमदनी– मुख्यमंत्री
- श्वेत क्रांति से बिहार में आएगी समृद्धि।
- राज्य के सभी गावों में दुग्ध उत्पादन समितियों का होगा गठन, प्रत्येक पंचायत में खुलेगा 'सुधा' बिक्री केंद्र।

पटना, 22 जनवरी 2026 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार आज सीवान जिला के राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। जन संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सब जानते हैं कि 24 नवंबर, 2005 को पहली बार एन०डी०ए० की सरकार बनी थी, तब से राज्य में कानून का राज है और हम लगातार विकास के काम में लगे हुये हैं। याद है ना पहले क्या स्थिति थी? पहले बहुत बुरा हाल था? लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलते थे। समाज में कितना विवाद होता था, कितना हिन्दू–मुस्लिम झगड़ा होता था? पढ़ाई का क्या हाल था? बहुत कम बच्चे पढ़ते थे, बहुत कम पढ़ाई होती थी। पहले इलाज का पूरा इंतजाम नहीं था। सड़कें बहुत कम थी और जो थी उनका बुरा हाल था। बिजली बहुत कम जगह थी। हमलोग शुरू से ही बिहार के विकास में लगे हैं। अब किसी प्रकार के डर एवं भय का वातावरण नहीं है। राज्य में प्रेम, भाईचारा एवं शांति का माहौल है। अब कोई हिन्दू–मुस्लिम झगड़ा नहीं होता है, इसके लिए वर्ष 2006 से ही कब्रिस्तान की घेराबंदी शुरू की गयी। पहले लगभग 8 हजार कब्रिस्तानों की घेराबंदी की गयी। बाद में कुछ और कब्रिस्तानों को चिन्हित किया गया, जिसकी घेराबंदी की जा रही है। वर्ष 2016 से 60 वर्ष से पुराने हिन्दू मंदिरों की घेराबंदी की गयी है। आज सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुरू से ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया है। राज्य में बड़े पैमाने पर सड़कों, पुल–पुलियों का निर्माण कराया गया है। वर्ष 2015 में सात निश्चय के तहत हर घर तक बिजली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय तथा टोलों को पक्की सड़कों से जोडने का काम पूरा हो गया है। वर्ष 2018 में ही हर घर बिजली पहुँचा दी गयी। सरकार द्वारा शुरू से ही बहुत सस्ती दर पर बिजली दी गयी। अब लगभग सभी घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली मुफ्त दी जा रही है। वर्ष 2020 में सात निश्चय–2 के तहत सभी योजनाओं पर काफी काम हुआ है और जो भी काम बचे हैं उन्हें शीघ्र पूरा किया जायेगा। सात निश्चय–2 के तहत ही युवाओं के लिए 10 लाख नौकरी एवं 10 लाख रोजगार देना तय किया गया। अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी तथा 40 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है। अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने शुरू से ही सभी तबकों का विकास किया है। चाहे हिन्दू हो,

मुस्लिम हो, अपर कास्ट हो, पिछड़ा हो, अति पिछड़ा हो, दलित हो, महादलित हो सभी के लिए काम किया गया है। मुस्लिम समुदाय के लिए भी हमने काफी काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं को मिलने वाली पेंशन की राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दिया गया है। इससे 1 करोड़ 14 लाख लोगों को फायदा हो रहा है। बिहार के विकास में केन्द्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है। 2024 के केन्द्रीय बजट में बिहार को विशेष आर्थिक सहायता के रूप में सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन, बाढ़ नियंत्रण के लिए बड़ी राशि देने की घोषणा की गयी। 2025 के केन्द्रीय बजट में बिहार में मखाना बोर्ड, एयरपोर्ट की स्थापना, पश्चिमी कोसी नहर के लिए वित्तीय सहायता आदि की घोषणा की गयी है। वर्ष 2018 से देश के अलग–अलग राज्यों में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन हो रहा है। वर्ष 2025 में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन बिहार में हुआ, जो गौरव की बात है। इन सबके लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का नमन करते हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री जी कई बार बिहार आये हैं और उनके द्वारा विकास कार्यों का शिलान्यास/शुभारम्भ किया गया है, इन सभी योजनाओं पर अब तेजी से काम हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में अगले 5 वर्षों (2025–2030) में कई कार्य कराये जायेंगे। सरकार द्वारा पहले कार्यकाल 2005–2010 तक, दूसरे कार्यकाल 2010–2015 तक, तीसरे कार्यकाल 2015–2020 तथा चौथे कार्यकाल 2020–2025 को मिलाकर चारों कार्यकाल में हर क्षेत्र में काम हुआ है चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़क हो, बिजली हो, कृषि हो। महिला सशक्तीकरण के लिए बहुत काम हुआ है। अब विकास की गति को और तेज किया जायेगा। केन्द्र सरकार का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। अगले 5 वर्षों के लिए सात निश्चय– 3 योजना लागू किया गया है। (1) दोगुना रोजगार दोगुनी आय : राज्य की प्रति व्यक्ति औसत आय को दोगुना किया जायेगा। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत हर महिला को 10 हजार रूपये दिये गये हैं। जिनका रोजगार अच्छा चलेगा उन्हें 2 लाख रूपये तक की सहायता दी जायेगी। अगले 5 वर्षों में युवाओं को 1 करोड़ नौकरी एवं रोजगार उपलब्ध कराये जाएंगे। इसके लिए नये युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग का गठन किया गया है। (2) समृद्ध उद्योग सशक्त बिहार : अगले 5 वर्षों में उद्योग लगाने पर पूरा जोर दिया जायेगा। सभी जिलों में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की जायेगी। नये बड़े उद्योगों के लिए मुफ्त भूमि एवं अनुदान दिया जा रहा है। पुरानी बंद चीनी मिलों को चालू किया जायेगा। (3) कृषि में प्रगति प्रदेश की समृद्धि : कृषि विकास के लिए पहले से ही काफी काम किया गया है। इस काम में और तेजी लाने के लिए एक नये बिहार विपणन प्रोत्साहन निगम की स्थापना की गयी है। मखाना के उत्पादन को और बढ़ावा दिया जायेगा। डेयरी एवं मछली पालन पर विशेष जोर दिया जायेगा। (4) उन्नत शिक्षा उज्ज्वल भविष्य : राज्य में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक प्रखंड में आदर्श विद्यालय एवं डिग्री कॉलेज खोला जायेगा। एक नये एजुकेशन सिटी का निर्माण कराया जायेगा। (5) सुलभ स्वास्थ्य–सुरक्षित जीवन : स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने के लिए जिला एवं प्रखंड के अस्पतालों को विशिष्ट चिकित्सा केन्द्र बनाया जायेगा। राज्य में प्रतिष्ठित निजी अस्पतालों की स्थापना के लिए प्रोत्साहन दिया जायेगा। सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाने की नीति लायी जायेगी। (6) मजबूत आधार आधुनिक विस्तार : आधारभूत संरचनाओं को बेहतर किया जायेगा जिसमें (क) शहरों का विकास और नये नियोजित शहरों की स्थापना की जायेगी। (ख) 5 नये एक्सप्रेस–वे सड़कों का निर्माण तथा ग्रामीण सड़कों का 2–लेन चौड़ीकरण किया जायेगा। (ग) सभी इच्छुक लोगों के घर की छतों पर सोलर पैनल लगाये जायेंगे। (घ) बिहार में पर्यटन एवं इको टूरिज्म के विकास पर विशेष जोर दिया जायेगा। (च) पटना में स्पोर्ट्स सिटी का विकास तथा

खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दिया जायेगा। (7) सबका सम्मान–जीवन आसान (**Ease of Living**) : आधुनिक तकनीक तथा अच्छे प्रशासन के माध्यम से राज्य के सभी नागरिकों के जीवन को आसान बनाया जायेगा। हमारा राज्य लगातार विकास कर रहा है। इन दिनों काम को और आगे बढ़ाया गया है। अगले 5 वर्षों में और ज्यादा काम होगा जिससे बिहार काफी आगे बढ़ेगा। केन्द्र का भी पूरा सहयोग प्राप्त हो रहा है। बिहार और विकसित होगा और देश के टॉप राज्यों में शामिल हो जायेगा तथा देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले सीवान जिले का काफी बुरा हाल था। 2005 के पहले की सरकार ने विकास का कोई कार्य नहीं किया। हमलोगों ने प्रारंभ से ही हर क्षेत्र में विकास का काम कराया है। सिवान जिले में भी विकास के अनेक महत्वपूर्ण कार्य कराए गए हैं, जिनमें इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक संस्थान की स्थापना की गयी है। महिला आई०टी०आई० एवं सभी अनुमंडलों में आई०टी०आई० की स्थापना की गयी है। जी०एन०एम० संस्थान एवं पारा मेडिकल संस्थान की स्थापना की गयी है। सिवान में मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्थापना की गयी है। यहां कर्पूरी ठाकुर छात्रावास एवं 2 आवासीय विद्यालय का निर्माण कराया गया है। सीवान जिला में कई पुलों तथा पथों का निर्माण कराया गया है। अयोध्या से जनकपुर तक राम जानकी पथ का निर्माण कराया जा रहा है। मैरवा धाम–दरौली पथ का चौड़ीकरण किया गया है। बाढ़ से बचाव हेतु सुरक्षा तटबंध का निर्माण, पश्चिमी गंडक नहर प्रणाली एवं सिंचाई प्रणालियों का जीर्णोद्धार कराया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 के दिसम्बर एवं 2025 के जनवरी–फरवरी माह में मैंने प्रगति यात्रा के दौरान सभी जिलों में जाकर विकास कार्यों को देखा और जो कमी चिन्हित की गई उसे पूरा करने के लिए सिवान जिला की 6 योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की गई जिन पर काम चल रहा है, जिन्हें शीघ्र पूरा किया जायेगा। इनमें सीवान बाईपास का निर्माण, सीवान जिलान्तर्गत तीन महत्वपूर्ण पथों का चौड़ीकरण कार्य, कला एवं संस्कृति विभाग के अंतर्गत प्रेक्षागृह का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। मौनिया बाबा महाबीरी मेला को बिहार राज्य मेला प्राधिकार के प्रबंधन अंतर्गत सम्मिलित करने हेतु स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। सीवान जिलान्तर्गत नौतन प्रखंड में मैरवा ग्रिड उप केंद्र एवं संबंधित वे (बी0ए0वाई0) का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय–3 के तहत अगले 5 वर्षों (2025 से 2030) में सीवान जिले में अनेक काम कराये जायेंगे। रोजगार के लिए जिले की 4 लाख 13 हजार महिलाओं को 10 हजार रूपये के हिसाब से राशि दी जा चुकी है। इन्हें रोजगार आगे बढ़ाने के लिए 2 लाख रूपये तक की अतिरिक्त सहायता भी दी जायेगी। सीवान जिले में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना कर नये उद्योग लगाये जाएंगे। डेयरी को बढ़ावा देने के लिए जिले के 1 हजार 528 गांवों में दुग्ध उत्पादन समितियों का गठन तथा सभी 293 पंचायतों में सुधा दूध बिक्री केन्द्र खोला जायेगा। डेयरी व्यवसाय से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और लोगों की आमदनी बढ़ेगी। सीवान के सभी 19 प्रखण्डों में आदर्श विद्यालय तथा डिग्री कॉलेज की स्थापना की जायेगी। सभी 19 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को विशिष्ट अस्पताल तथा सीवान सदर अस्पताल को अति विशिष्ट अस्पताल बनाया जायेगा। सीवान जिले में खेलों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जायेगी। सबका सम्मान–जीवन आसान निश्चय के तहत कठिनाइयों को दूर कर लोगों के लिए सरकारी सुविधाएं प्राप्त करना आसान बनाया जायेगा। इन कामों से जिले का पूरे तौर पर विकास होगा। अब कोई गरीब नहीं रहेगा। सभी लोगों के लिए हमलोग काम करवा रहे हैं। केन्द्र सरकार का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। पहले जिन लोगों की सरकार थी उनलोगों ने आज तक कोई काम नहीं किया, अपने मुख्यमंत्री पद से हटा तो पत्नी को मुख्यमंत्री बनवा दिया। इस तरह की गड़बड़ी करने वाले

लोगों को याद रखिए। हमलोगों के साथ जितने दल और लोग हैं, वे कोई गड़बड़ी नहीं करते हैं। हमलोग सभी के लिए काम करते हैं। आने वाले दिनों में बिहार और विकसित होगा और देश के टॉप राज्यों में शामिल हो जायेगा तथा देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

जन संवाद कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडे, सहकारिता मंत्री सह सीवान जिले के प्रभारी मंत्री डॉ0 प्रमोद कुमार एवं सांसद श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने भी संबोधित किया।

जन संवाद कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को बड़ी माला पहनाकर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडे, सहकारिता मंत्री सह सीवान जिले के प्रभारी मंत्री डॉ0 प्रमोद कुमार, सांसद श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, सांसद श्रीमती विजयलक्ष्मी, विधायक श्री भीष्म प्रताप सिंह, विधायक श्री विष्णुदेव पासवान, विधायक श्री कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह, विधायक श्री इंद्रदेव सिंह, विधायक श्री देवेश कांत सिंह, विधायक श्री हेम नारायण साह, विधान पार्षद श्री वीरेंद्र नारायण यादव, पूर्व सांसदगण, पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

******